सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

साध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 13 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 136, पृष्ठः 8+4

सीबीएसई रिजल्ट
देश की टॉपर बनी
शामली की बेटी
सावी जैन

इनसाइड प्राइवेट कमाई में कानपुर के सरकारी डॉक्टर दंपति बर्खास्त... » Pg03

सावी जैन ने 500 में 499 अंक लाकर रचा इतिहास... » Pg08

ट्रंप के बड़बोलेपन को मोदी का करारा जवाब

नई दिल्ली। राष्ट्र के नाम संदेश में पीएम मोदी ने डोनॉल्ड ट्रंप का नाम तक नहीं लिया, जबकि पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने सीजफायर कराने के लिए ट्रंप की भूरी भूरी प्रशंसा की थी, लेकिन, ताजा खबर ये है कि भारत अमेरिका से आने वाली वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने का फैसला करने जा रहा है। जाहिर है ट्रंप और मोदी में तलवारें ठन सकती हैं।

कल रात यानी कि सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कई ऐसी बातें की जो सीधे सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप को जरूर चुभी होंगी। पर मंगलवार की सुबह जो खबर मिल रही है निसंदेह ये ट्रंप को पसंद नहीं आने वाला है। दिन रात टैरिफ बढ़ाने की बात करने वाले ट्रंप को अमेरिका से भारत आने वाली कई वस्तुओं पर भारत का टैरिफ बढ़ाने का आइडिया निश्चित तौर पर पसंद नहीं आएगा।

दरअसल भारत ने विश्व व्यापार संगठन को एक नोटिस के माध्यम से सूचित किया है कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) से आयातित एल्यूमिनियम, स्टील और इनके डेरिवेटिव उत्पादों पर रियायतों को निलंबित करने का प्रस्ताव रखता है। इसका मतलब है कि भारत इन उत्पादों पर आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने की योजना बना रहा है। यह कदम भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव को दर्शाता है और जो वैश्विक व्यापार नियमों के तहत उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि ये फैसले रातों-रात तो नहीं होंगे पर ट्रंप को नाराज करने के लिए काफी है। सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन वाली मोदी की स्पीच भी उन्हें जरूर टेंशन देने वाली होगी। सवाल ये उठता है कि क्या मोदी ये सब जानबूझकर कर रहे हैं? क्या वो ट्रंप को कोई संदेश देना चाहते हैं?

जिन लोगों ने भी सोमवार शाम 8 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्र के नाम संदेश देते हुए सुना होगा उन्हें एक बात जरूर समझ में आ गई होगी कल वकरूअलग अंदाज में थे, मोदी कल अपने भाषण में आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान ही नहीं दुनिया के ताकतवर देशों को भी संदेश दे रहे थे। 10 मई को सीजफायर के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने जिस तरह भारत और पाकिस्तान को एक तराजू पर तौलने की कोशिश की थी वो शायद पीएम मोदी को रास नहीं आया है।

ट्रंप ने न केवल भारत और पाक बल्कि मोदी और शहबाज शरीफ को भी बराबर आंकने की गलती की, ट्रंप ने जनता से तीसरी बार बुनकर पीएम बने इतने बड़े देश के नेता की तुलना शहबाज जैसे इंसान से की जो देश की ही पहली पसंद है और न ही अपनी पार्टी कर, पाक सेना की कठपुतली नेता की तुलना एक जनता से चुनकर आए प्रतिनिधि से करने की जुति बताता है कि ट्रंप या तो नादान है या जानबूझकर टीज करने वाली हरकत कर रहे हैं।

भारतीय प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों जिस तरह उनके साथ व्यवहार किया उसे जैसे को तैसा कहना न्यायोचित कहा जाएगा, राष्ट्र के नाम संदेश में पीएम मोदी ने डोनॉल्ड ट्रंप का नाम तक नहीं लिया, जबकि पाकिस्तानी पीएम शहबाज ने सीजफायर कराने के लिए ट्रंप की भूरि भूरि प्रशंसा की थी। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने बिना ट्रंप का नाम लिए कई ऐसी बातें कीं जो सीधे सीधे अमेरिका को नागवार गुजरी होंगी।

ये सब तो था ही आज मंगलवार की एक और खबर आई जिसमें भारत अमेरिका से आने वाली वस्तुओं पर टैरिफबढ़ाने का फैसला करने जा रहा है। जाहिर है दूप और मोदी में तलवारें तन सकती है

टैरिफ के जरिये दिया बड़ा संदेश

ट्रंप की भारत-पाक के बीच चौधरी बनने की कोशिश

दरअसल पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने कई मौकों पर खुद को एक-दूसरे को दोस्त बताते रहे है, भारत-पाकिस्तान युद्धविराम (10 मई 2025) की घोषणा के बाद अपने बयानों में भारत और पाकिस्तान को समान स्तर पर रखने की कोशिश की. जिसे कई भारतीय विश्लेषकों और राजनेताओं ने आपत्तिजनक माना.

डोनाल्ड ट्रंप ने 10 मई 2025 को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा करते हुए पोस्ट किया। इसके बाद, 11 मई 2025 को ट्रंप ने एक और पोस्ट में दोनों देशों की तारीफ करते हुए कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश की

सीबीएसई 10वीं का परिणाम घोषित, 93.66% पास

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में हिस्सा लेने वाले उम्मीदवारों का इंतजार खत्म हो गया है। बोर्ड ने कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए हैं। कक्षा 10 वीं का रिजल्ट लिंक भी एक्टिव कर दिया गया है। इस साल 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट पर अपना रिजल्ट चेक कर सकते हैं। नीचे दिए गए। डायरेक्ट लिंक पर क्लिक करके सीबीएसई स्टूडेंट्स अपना 10वीं का परिणाम चेक कर सकते हैं।

इस साल भी 10वीं रिजल्ट में लड़कियां रहीं आगे

सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं में इस साल लड़कियों ने बाजी मारी है। लड़कियों का पास प्रतिशत 95 और लड़कों का पास प्रतिशत 92.63 रहा है। वहीं, ट्रांसजेंडर का रिजल्ट 95 प्रतिशत रहा है। सीबीएसई कक्षा 10वीं के रिजल्ट में इस साल 23 लाख 85 हजार 79 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें से 23 लाख 71 हजार 939 स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया और 22 लाख 21 हजार 636 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। इस साल का कुल पास प्रतिशत 93.66 रहा है। इस साल परिणाम पिछले साल से 0.66 प्रतिशत बेहतर रहा है। छात्र अपना रिजल्ट सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट्स के माध्यम से चेक कर सकेंगे।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर जंग

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- उत्तर प्रदेश में 69 हजार सहायक अध्यापकों की भर्ती में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को आरक्षण नहीं मिलेगा। हालांकि, कोर्ट ने माना है कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के समय यूपी में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू किया जा चुका था। ऐसे में सरकार को इस भर्ती में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करना चाहिए । कोर्ट ने कहा- सभी 69 हजार पदों पर भर्ती हो चुकी है, चयनित उम्मीदवार वर्षों से नौकरी कर रहे हैं। ऐसे में नियुक्त अभ्यर्थियों को हटाकर ईडब्ल्यूएस आरक्षण के तहत नई सूची बनाकर भर्ती करना व्यावहारिक और न्यायसंगत नहीं होगा। यही नहीं, चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति को चुनौती भी नहीं दी गई।

आदमपुर एयरबेस में पीएम नरेंद्र मोदी, पाकिस्तानी झूठ धराशायी

आदमपुर एयरबेस का पीएम मोदी का एक दौरा पाकिस्तान के कई झूठ पर भारी पड़ा। पाकिस्तान ने 10 मई को दुष्प्रचार करते हुए कहा था कि उसने मिसाइलों से हमलाकर भारत के एस-400 सिस्टम को नष्ट कर दिया है इसके अलावा पाकिस्तानी वायुसेना ने आदमपुर में अन्य नुकसान पहुंचाने की बात कही थी। लेकिन ये सारी बातें झूठी निकलीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदमपुर एयरबेस के दौरे ने पाकिस्तान के कई झूठ को बेनकाब कर दिया है। मंगलवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पंजाब के जालंधर में स्थित आदमपुर एयरबेस पहुंचे तो वायुसेना के जवानों ने वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे के साथ उनका स्वागत किया। पीएम के आदमपुर पहुंचने से जुड़ा जो वीडियो सामने आया है उसमें प्रधानमंत्री मोदी जवानों से मुलाकात कर रहे। इससे कुछ ही दूरी पर भारत का मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 तैनात है। S-400 के अलावा यहां पर फाइटर प्लेन मिग-29 भी दिख रहा है। इस वीडियो में एस-400 दिखना पाकिस्तान के कई दावों का धज्जियां उड़ा देता है।

पाकिस्तान ने 10 मई को झूठा दावा किया था पाकिस्तानी एयर फोर्स के लड़ाकू विमान छ्र्स-17 जेट्स ने आदमपुर एयरबेस में तैनात भारत के मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 कर दिया है। इसके लिए पाकिस्तान ने हाइपर सोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। लेकिन इन तस्वीरों ने पाकिस्तान के दावे धराशायी कर दिया है।

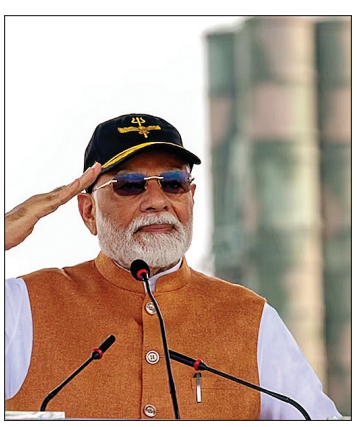

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार की हवा निकाल दी। यहां पीएम फौजियों से मुलाकात की।

टीम भावना से ही सरकारी स्कूलों में बढ़ सकता है और शिक्षा का स्तर

» स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए टीम भावना का होना आवश्यक

» प्रधानाध्यापक को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने की आवश्यकता

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। प्रधानाध्यापक को ही नहीं बल्कि सभी शिक्षकों को टीम भावना से बच्चों को पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ पढ़ाना चाहिए क्योंकि शिक्षक ही बच्चों को सिखाने और मार्गदर्शन करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। उन्हें बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को समझने और उनके लिए एक अनुकूल सीखने का माहौल बनाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। विद्यालय एक ऐसा स्थान है जहां भविष्य के नायक और नायिकाएं शिक्षा के साथ-साथ अपने जीवन के विविध पहलुओं का विकास करते हैं। शिक्षा सिर्फ कक्षा में दी जाने वाली जानकारी तक सीमित नहीं होती बल्कि यह विद्यार्थियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का साधन है इसके लिए विद्यालय के समस्त स्टाफ को सहयोगी और संगठित होना अनिवार्य है।

टीम भावना की स्थापना विद्यालय के सुचारू संचालन और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। जब सभी शिक्षक और कर्मचारी मिलकर एक ही उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्य करते हैं तो विद्यालय में शिक्षा के स्तर में गुणवत्ता आती है और छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं। टीम भावना से काम करने का अर्थ है कि सभी शिक्षक और कर्मचारी एक-दूसरे के विचारों और सुझावों को ध्यानपूर्वक सुनें और समझें। विद्यालय में टीम भावना तब स्थापित होती है जब प्रधानाध्यापक से लेकर शिक्षक और अन्य कर्मचारी सभी एक समान लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं।

आपसी समझ, समर्पण और सहयोग का माहौल बनाए रखने के लिए सभी सदस्यों को एक-दूसरे की भावनाओं और समस्याओं का ध्यान रखना चाहिए। इससे न केवल कार्यों की गुणवत्ता में वृद्धि होती है बल्कि विद्यालय के वातावरण में भी एक सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक का इस दिशा में विशेष योगदान होता है। प्रधानाध्यापक एक प्रेरक नेता की भूमिका निभाता है जो अपने स्टाफ को सृजनात्मकता और सहयोग की दिशा में प्रेरित करता है। एक सफल प्रधानाध्यापक विद्यालय के सदस्यों के साथ मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करता है जहां सभी को अपने योगदान का महत्व महसूस होता है। प्रत्येक सदस्य को विद्यालय की उपलब्धियों में खुद को महत्वपूर्ण महसूस कराने के लिए प्रधानाध्यापक को उनका उत्साहवर्धन करना चाहिए। जब हर सदस्य यह महसूस करता है कि उसके विचार और प्रयास विद्यालय की सफलता में अहम भूमिका निभाते हैं तो वह और अधिक समर्पण के साथ काम करता है। टीम भावना विकसित करने के लिए विद्यालय में खुला संवाद भी अत्यंत आवश्यक है। सभी सदस्यों के बीच नियमित और पारदर्शी संवाद से आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा मिलता है।

जब हर कोई अपनी बात खुलकर रख सकता है और दूसरे की बातों को महत्व दिया जाता है तो एकता की भावना उत्पन्न होती है। विद्यालय में सभी कर्मचारियों के बीच पारस्परिक सम्मान और समानता का माहौल होना चाहिए। ऐसा माहौल तभी बन सकता है जब सभी सदस्यों को उनके अनुभव, योगदान और विचारों के आधार पर सम्मानित किया जाए न कि उनके पद या व्यक्तिगत स्वार्थों के आधार पर, इसके साथ ही विद्यालय में सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये कार्यक्रम स्टाफ के बीच आपसी मेलजोल और समझ को बढ़ावा देने का अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षक और अन्य कर्मचारी एक-दूसरे के साथ व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से जुड़ते हैं जिससे विद्यालय का वातावरण और अधिक सजीव और प्रेरणादायक बनता है। इन आयोजनों में प्रतिभागिता से स्टाफ के बीच आपसी संबंध और मजबूत होते हैं और टीम भावना का विकास होता है।

अंततः टीम भावना को सुदृढ़ करने के लिए प्रधानाध्यापक को एक दूरदर्शी और कुशल प्रशासक के रूप में कार्य करना चाहिए।

विद्यालय के प्रत्येक सदस्य की ताकतों का हो प्रयोग

एक सफल प्रधानाध्यापक वह होता है जो न केवल विद्यालय के संसाधनों का समुचित उपयोग करता है बल्कि विद्यालय के प्रत्येक सदस्य की ताकतों को समझकर उनका उपयोग करता है। यह प्रधानाध्यापक का कर्तव्य है कि वह विद्यालय के सदस्यों को उनकी क्षमता और रुचियों के अनुसार जिम्मेदारियां सौंपे ताकि हर सदस्य विद्यालय की सफलता में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सके। जब सभी को उचित जिम्मेदारी मिलती है और हर किसी की सफलता में सहयोगी भूमिका होती है तो टीम भावना का विकास होता है।

घाटमपुर में ट्रक डंपर की भिड़ंत से केबिन में फंसा चालक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर के जहांगीराबाद गांव में ट्रक और डंपर की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि ट्रक चालक केबिन में फंसकर लगभग दो घंटे तक तड़पता रहा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने क्रेन से केबिन खिंचवाकर चालक को बाहर निकालकर घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया गया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनो को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

दो घंटे तड़पता रहा, मौत, दो घंटे तक हाईवे पर यातायात रहा बाधित

घाटमपुर थाना क्षेत्र के राजेपुर भदरस निवासी 35 वर्षीय दिनेश सिंह चौहान ट्रक चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। रविवार देर रात वह ट्रक लेकर घाटमपुर से कानपुर की ओर जा रहा था। तभी घाटमपुर थाना क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव के पास पहुंचते ही आगे से चल रहे डंपर ने अचानक ब्रेक लगा दी। जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे डंपर में जा घुसा। हादसे में ट्रक चालक केबिन में फंसकर लगभग दो घंटे तक तड़पता रहा। राहगीरों ने घटना की सूचना फोनकर पुलिस को दी।

जानकारी मिलते मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने पीएनसी की क्रेन से ट्रक की केबिन खिंचवाकर चालक को घायल अवस्था में बाहर निकालकर घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया।

जहां डाक्टर ने चालक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनो को सूचना देने के साथ चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि परिजनों को सूचना देने के साथ चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाइवे पर दो घंटे ठहरा रहा यातायात

घटना के बाद हाइवे पर क्षतिग्रस्त वाहनों के खड़ा होने से एक लेन चलती रही, जिससे हाइवे पर लगभग दो घंटे तक यातायात ठहरा रहा। पुलिस ने पीएनसी की क्रेन की मदद से हाइवे पर खड़े क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाकर यातयात बहाल कराया है। इस दौरान घाटमपुर की ओर जगन्नाथपुर और कानपुर की ओर पतारा तक जाम के हालात बने रहे। घाटमपुर एसीपी रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाकर हाइवे पर यातयात बहाल कराया गया है।

तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

ट्रक चालक दिनेश सिंह चौहान की मौत के बाद से पत्नी सुमन देवी का रो रोकर बुरा है।

वह कहती है, कि अब उनके तीनों बच्चों का भरण पोषण कौन करेगा। रिश्तेदार पत्नी को सांत्वना दे रहे है। चालक की मौत से उसके तीन बेटे 12 वर्षीय भानु प्रताप सिंह, 10 वर्षीय पीयूष, 8 वर्षीय अभय और एक बेटी 7 वर्षीय निधि उर्फ पिंकी के सिर से पिता का साया उठ गया।

प्राइवेट कमाई में कानपुर के सरकारी डॉक्टर दंपत्ति बर्खास्त

» मरीजों के भरोसे के सौदागर निकले हैलट कानपुर के डॉक्टर दंपति

» स्वराज इंडिया ने किया था निजी प्रैक्टिस का खुलासा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज (GSVM) के न्यूरो सर्जरी विभाग में तैनात डॉ. राघवेंद्र गुप्ता और उनकी पत्नी डॉ. स्वप्निल गुप्ता को आखिरकार बर्खास्त कर दिया गया है। दोनों पर आरोप था कि वे सरकारी सेवा में रहते हुए लगातार निजी प्रैक्टिस कर रहे थे और शासन के स्पष्ट निर्देशों की धज्जियां उड़ा रहे थे। मेडिकल कॉलेज के सामने ही उन्होंने निजी क्लीनिक खोल रखा था, वहीं फतेहपुर के एक निजी अस्पताल में भी नियमित रूप से सेवाएं दे रहे थे। शासन को इस बात की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए।

मंडलायुक्त द्वारा कराई गई जांच में LIU की रिपोर्ट, सीएम कार्यालय की पड़ताल और डीएम की गोपनीय रिपोर्ट ने इस गैरकानूनी गतिविधि की पुष्टि कर दी, जिसके बाद दोनों को बर्खास्त करने की कार्रवाई की गई।

अभद्रता, अनुशासनहीनता और हमला: चरित्र भी विवादित, कामकाज भी संदिग्ध–

डॉ. राघवेंद्र गुप्ता का नाम पहले भी कई विवादों में आ चुका है। झांसी तबादले से पहले और बाद में वह अपने जूनियर डॉक्टरों के साथ अभद्रता, धमकी और मानसिक प्रताड़ना जैसे मामलों में चर्चित रहे हैं। उन पर एक जूनियर डॉक्टर पर केमिकल फेंकने का सनसनीखेज आरोप भी लगा था, हालांकि जांच में इसकी पुष्टि नहीं हो सकी, लेकिन उनका व्यवहारिक रिकॉर्ड लगातार खराब पाया गया। जूनियर ही नहीं, बल्कि कई सीनियर स्टाफ भी उनके रवैये से त्रस्त थे। दूसरी ओर, जेके कैंसर संस्थान के निदेशक पर टेंडर प्रक्रिया में घोर लापरवाही और संदिग्ध गतिविधियों के आरोप हैं, जिनकी उच्च स्तरीय जांच चल रही है। इसी क्रम में कानपुर के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमि को भी अनियमितताओं, शिथिल नियंत्रण और प्रशासनिक लापरवाही के चलते कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पूरे स्वास्थ्य महकमे में यह कार्रवाई एक बड़ा संदेश मानी जा रही है।

नेत्र रोग विशेषज्ञ शालिनी मोहन की जांच दबी!

» डा. शालिनी मोहन प्राइवेट प्रैक्ट्रिस करते हुए स्वराज इंडिया के कैमरे में कैद हुई थीं, नोटिस भी जारी की गई थी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उप्र के सरकारी डॉक्टरों के निजी प्रैक्ट्रिस पर रोक संबंधित अधिसूचना 30 दिसंबर 1983 और 8 मार्च 2019 को जारी शासनादेश के तहत प्राइवेट प्रैक्ट्रिस प्रतिबंधित है। कुछ माह पूर्व इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी प्राइवेट प्रैक्टिस को टिप्पणी करके राज्य सरकार से रोक लगाने को लेकर सख्ती करने को कहा था। इसके बाद भी कानपुर के कई सरकारी डाक्टर प्राइवेट प्रेक्टिस में लीन बताए जा रहे हैं। स्वराज इंडिया की पडताल में हैलट अस्पताल में नेत्र रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शालिनी मोहन प्राइवेट प्रैक्ट्रिस करते हुए कैमरे में कैद हुई थीं। हालांकि, जब इस बावत इनके पूछा गया तो उन्होने प्राइवेट प्रैक्टिस से इंकार कर दिया था स्वराज इंडिया द्वारा प्रकरण प्रकाशित करने पर कानपुर से लेकर लखनउ तक खबर पहुंची है। इस संबंध में जीएसवीएम के प्राचार्य डा0 संजय काला ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। डा0 शालिनी मोहन से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। वहीं शासन ने भी नोटिस जारी किया था लेकिन मामला दबा दिया गया।

खुशहाल जिंदगी में शक ने डाल दी दरार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/उन्नाव। उन्नाव जिले में अचलगंज कोतवाली क्षेत्र में पत्नी-पत्नी के बीच उपजे शक ने चार लोगों के हंसते-खेलते परिवार को निगल लिया। युवक ने पहले पत्नी के साथ ही दोनों बेटियों को मौत की नींद सुलाया, बाद में खुद भी मौत को गले लगा लिया। छोटे भाई संदीप ने बताया कि अमित पांच भाइयों में दूसरे नंबर का था। गांव में 100-100 मीटर की दूरी पर तीन घर बने हैं।

एक घर में वह, अपने भाई रंजीत, अजीत और माता-पिता के साथ रहते हैं। दूसरे घर में अनुज और तीसरे घर में अमित अपने परिवार के साथ रहते थे। अमित को काफी समय से पत्नी के चरित्र पर शक था। रोज-रोज के झगड़े से परेशान होकर अमित ने तीन महीने पहले ही अपने घर के बाहर तीन सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। इनमें सबसे ऊपर लगा एक कैमरा तीन दिन से बंद मिला है, जबकि दो कैमरे चालू हैं।

कैमरों की फुटेज भी चेक करता था अमित

पुलिस ने फुटेज की जांच की तो किसी बाहरी के आने की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि पुलिस डीबीआर में सुरक्षित पूरी रिकार्डिंग चेक करने की बात कह रही है, ताकि पिछले कुछ दिनों में क्या-क्या हुआ, घर में कौन कितनी बार आया-गया, दो मई को जिस दिन पति-पत्नी में झगड़ा हुआ था, उस दिन की गतिविधियां क्या रहीं, इसका पता चल सके। लोगों का कहना है कि अमित रोज कैमरों की फुटेज भी चेक करता था। मोबाइल पर सीसीटीवी एक्टिवेट था।

परिजनों ने पुराने मामले में विरोधियो को फंसाने का किया प्रयास

मृतका गीता ने वर्ष 2022 में गांव के ही अशोक, विजय और मनोहर पर छेड़छाड़, विरोध करने पर मारपीट करने व गर्भपात होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने विवेचना में

अशोक का दोष न मिलने पर नाम हटा दिया था। वहीं, विजय और मनोहर को जेल भेजा था। दोनों आरोपी घटना के दो महीने बाद जमानत पर छूट गए थे। 27 मई को इसी मुकदमे में न्यायालय में पेशी थी।

पुलिस ने जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला

मृतक के पिता ने इन्हीं विरोधियों पर बेटे, बहू और दोनों पौत्री की हत्या का आरोप लगाया। हालांकि जांच में दोनों गांव में ही मिले। चर्चा यह भी है कि पति की प्रताड़ना से परेशान गीता भी इस केस में सुलह करने की बात कह रही थी। इस बात पर भी पति-पत्नी में झगड़ा हुआ था। वहीं, वर्ष 2023 में मृतक के पिता ने गांव के शिवमोहन और नवल किशोर पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, उस बिंदु पर भी पुलिस ने जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला।

सपाइयों ने भगवान बुद्ध को याद किया

विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में बुद्ध जयंती पर कार्यक्रम का किया गया आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर समाजवादी पार्टी की ओर से बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में सपाईयों ने बुद्ध जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन चौबेपुर ब्लाक के इटरा गांव में किया गया। सपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बुद्ध ने दुनिया को सत्य अहिंसा, प्रेम करुणा, दयालुता व परोपकार का पाठ पढ़ाया है। कहा कि भगवान बुद्ध का दर्शन दुख व उसके कारण से मुक्ति के मार्ग पर जोर देता है। बुद्ध के पंचशील के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। इस दौरान मुख्य रूप से हरिओम पांडे, राजू पाल, ज्ञान चंद्र कोरी,अनिल कुशवाहा, सुनील पाल, अजय यादव, कैलाश कठेरिया समेत कई ग्रामवासी मौजूद रहे।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध

- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन

1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्ण्ण्ब्न्ध्द 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

अपनी शर्तों पर ही शांति की पहल

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना–नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन–सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी।

साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया।

उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ।

पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद–हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा।

हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत–पाक के बीच शांति पसंद नहीं है।

तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

डॉ. जगदीप सिंह

ऑपरेशन सिंदूर उद्दंड पड़ोसी से निबटने में भारत की रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। जिसका पहला बिंदु, देश के बाहर से आतंकी हमले के जवाब में सीमापार कड़ी सैन्य कार्रवाई करना है। यह पाकिस्तानी सेना को तय करना है कि सैन्य-जिहाद परिसर खत्म करे या फिर विनाशक संघर्ष भुगते। तीन दिन चले ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट हुआ कि अब फोकस सबूत सौंपने पर नहीं, बल्कि आतंकी नेटवर्क तोड़ने पर है।छह-सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ श्रृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई।

भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में – पैमाने और दायरे में – काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं।

प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा।

भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषत- पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6–7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत–लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा–जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'ज्अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा।

द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य–जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही।

जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है जिन्दगी

मानवीय त्रासदी

क्षमा शर्मा

दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दुःख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं।टीवी स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चैनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चैनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी।

वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों में आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज–चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार–छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं।दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे–जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता–पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता–पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दु:ख को भोगने

के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर–दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं।औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी, जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद, पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी–अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं।

हकीकत फिल्म जो चीन के साथ युद्ध पर बनी थी उसका गाना याद आता है– 'हो के मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा।' यह गाना ऐसा है कि सुनते–सुनते रोना आ जाता है। इसे युद्ध के वक्त बर्फ में फंसे सैनिक गा रहे हैं और अपनी–अपनी पत्नियों के बारे में सोच रहे हैं। इसके विभिन्न शाट्स में उन सैनिकों की पत्नियों के हालात का वर्णन था। देवानंद, साधना द्वारा अभिनीत फिल्म हम दोनों का बड़ा हिस्सा भी इसी थीम पर है। जहां पति युद्ध में एक पांव गंवाकर आता है। उसे भरोसा नहीं है कि पत्नी उसे अपना लेगी। चार दिन चली इस लड़ाई में राजस्थान की सत्ताईस साल की किरण शेखावत युद्ध के मैदान में पहली शहीद होने वाली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसका खून से लथपथ शरीर देखकर रोंगटे खड़े हो गए थे। मदर्स डे पर उस महिला के बारे में भी छपा है, जिसने पति की मृत्यु के वक्त अपने बेटे को तमाम तरह के कष्ट झेलकर पाला।

...तुम्हारे लिए मैंने सबसे लड़ाई लड़ी, तुम किसी और से बात करने लगीं!

» विवाहिता हत्याकांड का चौबेपुर पुलिस ने किया खुलासा

» पति नहीं प्रेमी ने की थी बीनू की हत्या

» प्रेमी के बीनू से पांच साल से थे सम्बन्ध

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। तुम्हारे लिए मैंने सबसे लड़ाई लड़ी,तुम किसी और से बात करने लगीं इतना कहते ही प्रेमी अनुज दुबे और बीनू शर्मा के बीच कहासुनी हो गई। और विवाद होने लगा। इतने में तैश में आकर अनुज ने बीनू को मार डाला। और कत्ल करने के बाद छत से खंडहर में फेककर फरार हो गया।

रविवार रात को ब्रह्मानगर मोहल्ले में बीनू शर्मा की हुई हत्याकांड का खुलासा चौबेपुर पुलिस ने कर दिया है। बीनू की हत्या उसके पति संजय ने नहीं बल्कि रौतापुर में रहने वाले उसके प्रेमी अनुज दुबे ने की थी। पुलिस ने अनुज दुबे को गिरफ्तार कर लिया है और घटना में प्रयुक्त चाकू, खून से सने कपड़े, एवं बीनू शर्मा का मोबाइल बरामद किया है।पुलिस ने प्रेमी अनुज दुबे से पूछताछ की तुमने ऐसा क्यूँ किया तो उसने कहा बीनू से हम बहुत प्यार करते है वह किसी और से बाते करने लगी थी।

मृतक बीनू शर्मा की फ़ाइल फोटो

उसके लिए मैंने समाज, घर और परिवार वालों से लड़ाई भी लड़ी और वह किसी और से बात करने लगी थी ।यह बात प्रेमी अनुज को नागवार लगी और रविवार देर रात बीनू से मिलने उसके घर गया। अनुज दुबे ने छत पर मुलाक़ात के दौरान बीनू से किसी और से बात करने समेत कई बातें पूछी जिस पर दोनों के बीच विवाद होने लगा।

इसी दौरान तैश में आकर प्रेमी ने हत्या की घटना को अंजाम देकर शव को छत से नीचे खंडहर में फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। सोमवार सुबह ज़ब बीनू का रक्त रंजित शव स्थानीय लोगों को खंडहर में पड़ा मिला तो सनसनी फ़ैल गई। घटना स्थल पर डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिवेदी, एडीसीपी विजेंद्र त्रिवेदी, एसीपी अमरनाथ यादव व चौबेपुर इंस्पेक्टर मौके पर पहुँचकर बारीकी से जाँच की। पुलिस की सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और सबूत एकत्र किए। उधर मृतका की माँ लक्ष्मी ने पति संजय शर्मा के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

पुलिस ने प्रेमी को गिरफ्तार किया

साहब! हमनें नहीं मारा पत्नी को!

बिल्हौर। थाने में लाकर पुलिस पति संजय से पूछताछ कर रही थी। किसलिए पत्नी को मारा कई बार पत्नी के हत्या के बारे में कड़ाई से पुलिस ने पूछा लेकिन संजय पत्नी की हत्या करने की बात नकार रहा था। तभी उसने पत्नी का किसी और से सम्बन्ध होने की बात पुलिस को बताई। जिसके बाद पुलिस को शक हुआ कहीं प्रेमी ने तो कत्ल नहीं किया। पुलिस ने बीनू के प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो कत्ल की पूरी स्क्रिप्ट सामने आने पर पुलिस चौंक गई। चौबेपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रेमी को जेल भेजने की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कानपुरः सेन्ट्रल स्टेशन में ई कॉर संचालन बंद, कुलियों पर गुंडागर्दी के आरोप

प्लेटफार्म पांच पर ई कॉर चालक से मारपीट व पलटाने का प्रयास

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। वंदेभारत के आगमन के दौरान कुलियों की ई कार चालक से विवाद इस कदर बड़ गया कि कुलियों ने चालक को जहां पीट दिया। वही आरोप है कि ई कार को ट्रैक पर पलटाने का प्रयास किया। इस दौरान प्लेटफार्म पांच पर मौजूद आरपीएफ सिपाही ने स्थिति को नियंत्रित कर हादसे को बचा लिया। सूचना पर जीआरपी व आरपीएफ पहुंच गई लेकिन कुली भाग निकले। ई कार चालक नीरज तिवारी ने जीआरपी व आरपीएफ थाने में तहरीर देकर शिकायत की। फिलहाल मामले की जांच सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही हैं। इसके बाद से बैटरी कार का संचालन ठप है। जिससे यालियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। जिसके जवाब में ई कार संचालन ठप हो गया। बता दे कि कानपुरसेन्ट्रल में बैटरी कॉर का संचालन बालाजी भगवत प्रोजेक्ट प्रा.लि. स द्वारा किया जाता हैं। दो ई कॉर से वि यालियों को प्लेटफार्म में ले जाने का काम किया जाता है। रविवार इ की सुबह 22436 वंदेभारत एक्सप्रेस प्लेटफार्म पांच में आने वाली थी। सुबह 10.10 बजे सीढ़ियों के पास कुलियों ने बैटरी कार आपरेटर नीरज तिवारी से सवारियों को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि 8 से 10 कुलियों ने बैटरी चालक को पीट दिया और कार को ट्रैक पर पलटाने की कोशिश की लेकिन मौजूद आरपीएफ सिपाही के हस्तक्षेप पर घटना टल गई। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। मामले की तहरीर थाने में दी गई। जीआरपी व आरपीएफ मामले की जांच कर रही है। फिलहाल बैटरी कार का संचालन ठप हैं। मामले की शिकायत एसपी रेलवे, प्रयागराज को की गई हैं।

बिरहाना रोड दवा मार्केट में लगी आग

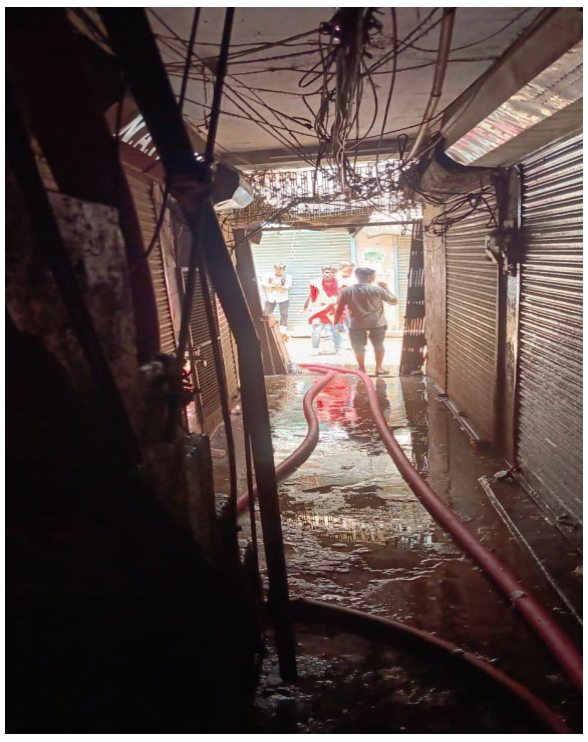

- आग से कई दुकानें जलकर हुई खाक
- कानपुर में सबसे घनी आबादी वाले इलाके में संचालित हो रही मार्केट
- सुरक्षा के कोई इंतज़ाम नहीं, हर समय मौत का खतरा

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कलेक्टरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिरहाना रोड स्थित दवा मार्केट में आज सुबह अचानक आग लगने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी भीषण थी कि उसने देखते ही देखते कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच से छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, दोपहर तक कुछ दुकानों से अब भी धुआं उठता देखा गया, जिससे हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दवा मार्केट के महामंत्री ने बताया कि इस मार्केट में लगभग पचास दवा की दुकानें हैं, जो वर्षों पुरानी हैं और यहां कारोबार काफी समय से चल रहा है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) दीपक शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

मौत के कुएं जैसी बनी हैं गली गली मार्केट

कानपुर में घनी आबादी वाले इलाके में नियम कायदों को ताक पर रख कर बड़े पैमाने पर अवैध मार्केट खड़ी कर दी हैं। न वहां कोई नक्शा पास करवाया जाता है न ही कोई सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है। बीते कुछ साल पहले खोया मंडी में भी हादसा हुआ था, कई और भी हादसे हुए लेकिन हुआ कुछ नहीं। सरकारी विभाग के कर्मचारी अपनी जेब भरते रहे।

» सावी जैन ने 500 में से 499 अंक कर रचा इतिहास

» सीबीएसई 10वीं, 12वीं का रिजल्ट हुआ जारी

सीबीएसई 12th टॉपर सावी जैन

रिजल्ट घोषित होते ही कानपुर में खुशी का इजहार करते स्टूडेंट्स

सीबीएसई रिजल्ट: देश की टॉपर बनी शामली की बेटी सावी जैन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड के लाखों छात्रों के लिए बड़ी खबर है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। इस बीच डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म पर रिजल्ट का लिंक एक्टिव हो गया है बच्चे अपने नतीजे डाउनलोड कर सकते हैं। छात्र अपने डिजिटल मार्कशीट और पास सर्टिफिकेट भी वहीं से डाउनलोड कर सकेंगे।

रिजल्ट जारी होने के बाद छात्र इसे बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in और results.cbse.nic.in के अलावा डिजीलॉकर और उमंग ऐप के जरिए भी चेक कर सकते हैं। इस वर्ष 10वीं कक्षा में 93.66 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए हैं, वहीं 12वीं का रिजल्ट 88.39 प्रतिशत रहा। इस साल सीबीएसई बोर्ड 10वीं में लड़कियों का पास प्रतिशत 95 प्रतिशत रहा है तो वहीं लड़कों का पास प्रतिशत 92.63 प्रतिशत रहा है। ट्रांसजेंडर का पास प्रतिशत 95 प्रतिशत रहा है। इस साल 2385079 विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें से 2371939 विद्यार्थी एग्जाम में बैठे। एग्जाम में उपस्थित इन छात्रों में से 2221636 पास हुए हैं। सीबीएसई कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा 2025 का आयोजन 15 फरवरी से लेकर 18 मार्च 2025 तक किया गया था। वहीं सीबीएसई बोर्ड 12वीं रिजल्ट 2025 में लड़कियों का पास प्रतिशत 91.64 प्रतिशत रहा है। वहीं लड़कों का पास

प्रतिशत लड़कियों से कम दर्ज किया गया है। कुल 85.70 प्रतिशत लड़के पास हुए हैं। ट्रांसजेंडर का पास प्रतिशत 100 फीसदी रहा है। इस वर्ष कुल 1704367 स्टूडेंट्स ने सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12वीं परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन किया था जिसमें से कुल 1692794 स्टूडेंट्स परीक्षा में उपस्थित हुए थे। पास होने वाले कुल छात्रों की संख्या 1496307 है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कोर्ट जाने से कतरा रहे वारंटियों को रसूलाबाद पुलिस ने दबोचा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। न्यायालय के आदेशों की अनदेखी कर रहे वारंटियों पर रसूलाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। लंबे समय से कोर्ट में हाजिर न होने वाले आरोपियों को आखिरकार गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया। यह कार्रवाई अपराध और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, कानपुर देहात द्वारा वाद संख्या मु.नं. 912/16, अंतर्गत धारा 49/14 में कई बार सम्मन जारी किए जाने के बावजूद आरोपी अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। अदालत के आदेश के क्रम में रसूलाबाद पुलिस ने दो वारंटियों—रजोल पुत्र प्रेमलाल तथा रामचंद्र पुत्र रामकिशन, निवासी ग्राम नारखुर्द, थाना रसूलाबाद—को उनके घर से गिरफ्तार किया।पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया, जिससे यह स्पष्ट संदेश गया कि कानून से बचना अब आसान नहीं होगा। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक शिव बहादुर सिंह और मुख्य आरक्षी अशोक कुमार सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस प्रशासन का कहना है कि ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी ताकि न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालने वालों पर लगाम कसी जा सके।

18 घंटे बिजली का दावा हवा हवाई, गांवों में हाहाकार

» बिजली विभाग के अफसर बेपरवाह, जनसुनवाई खराब

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। **बिजली विभाग की लापरवाही से ग्रामीण जनता बेहाल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 18 घंटे बिजली आपूर्ति के आदेश हवा हो चुके हैं। सच्चाई यह है कि कई गांवों को 15 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही। मुतैहेरापुर सबस्टेशन से जुड़े गांवों में बिजली का रोस्टर पूरी तरह बिगड़ चुका है। शाम 6 बजे से सुबह 7 बजे और फिर 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक ही बिजली मिल रही है, वो भी अनियमित।**

तेज धूप और उमस भरी गर्मी में लोग घरों में कैद होकर भी चैन से नहीं बैठ पा रहे हैं। बिजली की अघोषित कटौती ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।ग्रामीणों का कहना है कि जैसे ही दोपहर में बच्चे और बुजुर्ग आराम करने की सोचते हैं, बिजली काट दी जाती है। बार-बार बिजली की आवाजाही से बीमार लोग और ज्यादा परेशान हो रहे हैं। पंखे बंद पड़े हैं, गर्मी से लोग पसीने-पसीने हो रहे हैं। जब इस मामले में अकबरपुर के एसडीओ से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने मीडिया का फोन तक उठाना जरूरी नहीं समझा। इससे साफ है कि जब अधिकारी पत्रकारों से बात नहीं करते, तो जनता की सुनवाई की उम्मीद करना बेमानी है। ग्रामीणों की मांग है कि सीएम के आदेशों का सख्ती से पालन करवाया जाए और बिजली आपूर्ति को नियमित किया जाए।

अफसर दे रहे निर्देश, सचिव कर रहे अनदेखी

सचिवों की सफाई और बीडीओ की लाचारगी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले के डीएम आलोक कुमार सिंह और सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन की ओर से ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालयों के बेहतर संचालन को लेकर लगातार बैठकें की जा रही हैं और सख्त निर्देश दिए जा चुके हैं। बावजूद इसके, ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिवों की उदासीनता के चलते इन आदेशों को जमीन पर अमल नहीं मिल पा रहा है।

जिले के रसूलाबाद ब्लॉक अंतर्गत मकरंदपुर ग्राम पंचायत के जिताई का पुरवा गांव में बने सामुदायिक शौचालय की हालत बेहद खराब है—जहां शौचालय गंदगी से भरा पड़ा है, पानी की टोंटियां टूटी हैं और रंगाई-पुताई सिर्फ कागजों में दिख रही है।

ग्रामीणों को अब भी खुले में शौच जाने को मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे पास के मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भी भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है।ग्रामीणों ने कई बार इस गंभीर समस्या की शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। ग्राम सचिव अखिलेश कुमार का कहना है कि उन्होंने हाल ही में कार्यभार संभाला है और व्यवस्था सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव को पदभार ग्रहण किए तीन महीने से अधिक समय हो चुका है, फिर भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। खंड विकास अधिकारी धनप्रकाश यादव का कहना है कि उन्हें शिकायत मिली है और जांच की जा रही है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि समूह की महिलाओं द्वारा संचालन की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही केयरटेकर की नियुक्ति कर शौचालय को सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा। फिर भी सवाल यही उठता है कि जब डीएम-सीडीओ तक आदेश दे चुके हैं, तो जमीनी स्तर पर अब तक लापरवाही क्यों बरती जा रही है?।

बसंतपुर मँझारा गांव में पुल निर्माण कार्य के लिए हुआ भूमि पूजन

» विधायक फरीद महफूज़ किदवई ने कहा कि लागत 40 लाख रुपए से किया जाएगा निर्माण

स्वराज इंडिया संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विधानसभा रामनगर ब्लॉक सूरतगंज के भाईलाल रेती मजरे बसंतपुर मँझारा में पुल निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन क्षेत्र के विधायक फरीद महफूज़ किदवई ने किया। जिसकी लागत 40 लाख रुपए से किया जाएगा। जिससे क्षेत्र की जनता में बेहद खुशी की लहर है। इस पुल के निर्माण से आस पास के दर्जनों गांवों ने राहत की सांस ली, यहां के लोग बताते है। आजादी से लेकर आज तक किसी नेता विधायक ने हमारी तकलीफों को नहीं समझा, पुल न होने के कारण 12 से 15 किलोमीटर दूर घूम कर जाना पड़ता था,अपने बच्चों को दूरी के कारण स्कूल नहीं भेज पाते थे, जिससे हमारा क्षेत्र शिक्षा के मायने में भी पीछे है,जब आमजन को इलाज की आवश्यकता पड़ती थी बारिश के महीने में आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, जिनको सिर्फ भगवान ही समझ सकते हैं गरीबों के मसीहा कहे जाने वाले अबकी बार विधायक फरीद महफूज़ किदवई ने, राष्ट्रीय प्रवक्ता फैजान किदवई, व विधायक प्रतिनिधि/प्रदेश सचिव लल्लन वर्मा ने लोगों के आवागमन के लिए पुल का भूमिपूजन किया। इस पुल के बनने से ग्राम गोड़ा,मोहड़वा,बसंतपुर,भाई लाल रेती, बिझला, बेलपुरवा, भैरमपुर, गोवा, मोहड़िया, नयापुरवा आदि गांवों को लाभ होगा । पूजा स्थल पर पहुंचे ही लोगों का तांता उमड़ने लगा। इस मौके पर विधायक फरीद महफूज़ किदवई ने कहा रामनगर विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और क्षेत्रवासियों को हर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में हम निरंतर कार्यरत हैं। इस पुल से न केवल लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी बल्कि आर्थिक और सामाजिक रूप में भी में यह पुल एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी।

आसपास के गांवों में नालियां चोक हैं और गंदगी का अंबार लगा है

सफाई अभियान चलाया जा रहा है

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। लोनी कटरा क्षेत्र के ख्वाजापुर गांव में मानसून की तैयारियां शुरू हो गई हैं। ग्राम प्रधान रेखा यादव ने गांव में जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का बीड़ा उठाया है। जहां आसपास के गांवों में नालियां चोक हैं और गंदगी का अंबार लगा है। वहीं, ख्वाजापुर में नालों और नालियों की सफाई अभियान चल रहा है। इस पहल से गांव में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। गांव के विकास और राजेश ने इस कार्य की सराहना की है। उनका कहना है कि यह काम गांव की सुंदरता बढ़ाएगा। ग्राम प्रधान के इस कदम के लिए गांव वाले उनका धन्यवाद कर रहे हैं।रेखा यादव ने कहा कि वह गांव की हर समस्या को अपनी समस्या मानती हैं। मानसून से पहले जल निकासी व्यवस्था को सुचारू करना उनकी प्राथमिकता है। इससे बरसात में गांव वालों को जलभराव की परेशानी नहीं होगी।

बड़े मंगल में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। लोनी कटरा थाना क्षेत्र के भिलवल ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल में विशाल भंडारा आयोजन किया गया हनुमान आश्रम निकट विद्युत पावर हाउस भिलवल गांव में बडे मंगल के उपलक्ष्य में मंदिर कमेटी एवं ग्राम वासियों के सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । जिसमें भक्तगणों ने भारी संख्या में आकर प्रसाद ग्रहण किया एवं स्वयं को भाग्यशाली समझाभंडारे के आयोजक मुख्य अतिथि राम सुमिरन बाबू जी, अरुण यादव आरटीओ स्टोनो अजीत प्रताप सिंह और सम्मानित व्यक्ति मौजूद रहे।

जहां रहेगा वहीं रोशनी लुटाएगा,किसी चराग़ का अपना मकां नहीं होता...

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बसीम बरेलवी की ये चर्चित लाइनें वर्ष-2007 बैच के बहुचर्चित आईपीएस अफसर जोगेंद्र कुमार पर बिल्कुल सटीक बैठती हैं. कानपुर रेंज की धरती में काफी लम्बे समय तक आईजी के पद पर तैनात रहे अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी प्रहार के लिए मशहूर आईपीएस अफसर जोगेंद्र कुमार को शासन ने रविवार को उन्हे देश और दुनिया में आस्था का प्रमुख केंद्र कहे जाने वाले धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले शहर तीर्थराज प्रयागराज का नया पुलिस आयुक्त बनाकर भेजा है।उनकी कार्यशैली प्रदेश में किसी भी व्यक्ति से छुपी नहीं है।हाई प्रोफाइल मामलों की जांच कर उन्हें सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचा चुके है।इससे पहले अयोध्या,आगरा,बरेली,गोरखपुर,मऊ आदि जनपदों में एसएसपी तथा झांसी रेंज के डीआईजी व कानपुर रेंज में आईजी के रूप में तैनाती के दौरान आम जन मानस के अंदर पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने तथा अपराधियों के अंदर कानून का डर पैदा कराने का काम किया है।

आईजी जोगेंद्र कुमार के रडार पर रहे अपराधी व भू-माफिया खूब करायी कार्यवाही

6 जनवरी 2024 को कानपुर रेंज में दस्तक देने वाले आईपीएस जोगेंद्र कुमार अपराधियों के खिलाफ सबसे अधिक आक्रामक दिखे।उन्होंने अपराधियों की सम्पत्ति का आकलन कराकर उसे प्राथमिकता के साथ कुर्क कराने का काम कराया।उनके रडार पर भू-माफिया व इनामिया अपराधी सबसे अधिक रहे।पुलिसिंग में व्यवस्था को और भी बेहतर बनाने के लिए उन्होंने रेंज के अंतर्गत आने वाले सभी पांचों जनपदों में महत्वपूर्ण कदम भी उठाए।उन्होंने कानपुर रेंज का कार्यभार संभालते ही अपने इरादे स्पष्ट कर दिये थे।उन्होंने रेंज की समीक्षा कर ताबड़तो अपराधियों पर कार्यवाही करानी शुरू की।साथ ही गैंगस्टर से लेकर उनकी संपत्ति को कुर्क का कराने का काम शुरू कराया।इस कार्यकाल में आई तमाम चुनौतियों का उन्होंने डटकर सामना किया।वही तमाम पटल पर कानपुर रेंज की रैंकिंग को पहले स्थान पर पहुंचाया।आईजी जोगेंद्र कुमार अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी के साथ बखूबी निभाते हैं और अपनी कुर्सी पर रहते हुए यथासंभव किसी गरीब,असहाय,मजलूम,कमजोर के साथ किसी के दवाब में नाइंसाफी नहीं होने देते है...इसी क्रम में बता दे कि आईजी जोगेंद्र कुमार की गिनती प्रदेश में ईमानदार छवि के तेजतर्रार,कर्तवनिष्ठ,सक्रिय,अपराध नियंत्रण व निष्पक्ष अधिकारियों होती है।वही कानपुर रेंज के आईजी रहे जोगेंद्र कुमार सोमवार सुबह को प्रयागराज के लिए रवाना हो गए है.

» वर्ष-2007 बैच के बहुचर्चित आईपीएस अफसर जोगेंद्र कुमार की प्रयागराज आयुक्त के पद पर हुई तैनाती

क्रिकेट बैट की कीमतों में आएगी तेजी, कश्मीर विलो की सप्लाई ठप

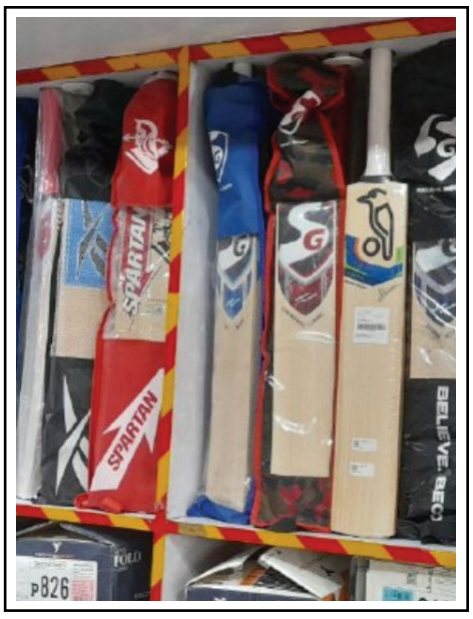

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बरेली। भारत-पाकिस्तान पर तनाव का असर स्पोर्ट्स इंडस्ट्री पर भी देखने को मिल रहा है। कश्मीर विलो लकड़ी की सप्लाई मेरठ में आनी बंद हो गई है। इसकी वजह से क्रिकेट बैट की कीमतें 10 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। इसका असर जिले में भी पड़ेगा। जिले में अधिकांश लोग कश्मीर विलो के बैट का इस्तेमाल करते हैं। आईपीएल सीजन में इनकी खरीदारी और बढ़ती है। व्यापारियों का कहना है जनवरी में क्रिकेट बैट पर सालाना महंगाई 10 प्रतिशत की दर से पहले ही बढ़ चुकी है, लेकिन बार्डर पर तनाव की वजह से मई-जून में 10 प्रतिशत और दाम बढ़ने की संभावना है। कश्मीर विलो का जो बैट पिछले वर्ष 2000 का था जो जनवरी में 2200 का हुआ और मई जून में 2420 हो सकता है।

दुकानदार बोले दाम बढ़ना तय

बीते दिनों जालंधर में स्पोर्ट्स एक्पो होने वाली थी, लेकिन सब कुछ बंद होने से ये भी रद्द हो चुकी है। कच्चे माल की सप्लाई नहीं होने से क्रिकेट बैट के दाम बढ़ना तय हैं- बीआर मौर्य, सिविल लाइंस

हम कई साल से व्यापार कर रहे हैं। जब-जब कश्मीर के हालात नाजुक होते हैं, तब-तब क्रिकेट बैट की कीमतों में इजाफा होता है। इस बार भी 10 प्रतिशत कीमत बढ़ना तय है- हितेश, कुतुबखाना

जिले के खिलाड़ी कश्मीरी विलो बैट अधिक इस्तेमाल करते हैं। इसके सस्ते वाले बैट पर कम कीमतें बढ़ेंगी जबकि महंगे बैट पर अधिक कीमतें बढ़ सकती हैं

अमृतसर में ज़हरीली शराब से 14 लोगों की मौत

छह लोगों को अस्पताल में भर्ती भी कराया गया है,, मामले की जांच शुरू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पंजाब। पंजाब के अमृतसर जिले में ज़हरीली का कहर सामने आया है । यहां नकली शराब पीने से हुईं 14 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि अमृतसर ज़िले में ज़हरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हो गई और इसके अलावा छह लोगों को अस्पताल में भर्ती भी कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार अमृतसर के मजीठा में ये घटना हुई है ।अमृतसर के एसएसपी मनिंदर सिंह ने पत्रकारों को बताया, हमें कल रात करीब 9 :30 बजे सूचना मिली कि यहां नकली शराब पीने से लोगों की लगातार मौत होने लगी है। साथ ही हमने तुरंत कार्रवाई की और मुख्य सप्लायर परबजीत सिंह समेत 4 लोगों को हिरासत में भी लिया है।

और आगे उन्होंने बताया, 14 लोगों की मौत की पुष्टि अभी तक हो चुकी है और 6 लोग अभी अस्पताल में भर्ती हैं। और यह घटना 5 गांवों में लगातार हुई हैं।

सूत्रों के मुताबिक़, पंजाब सरकार की ओर से नकली शराब के सप्लायरों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

साथ ही अमृतसर डिप्टी कमिश्नर साक्षी एस. ने बताया कि मेडिकल टीमें इन पांच गांवों में घर घर जाकर लक्षणों का पता भी लगा रही हैं।

यूपी में तीखी धूप-लू का प्रकोप बढ़ेगा

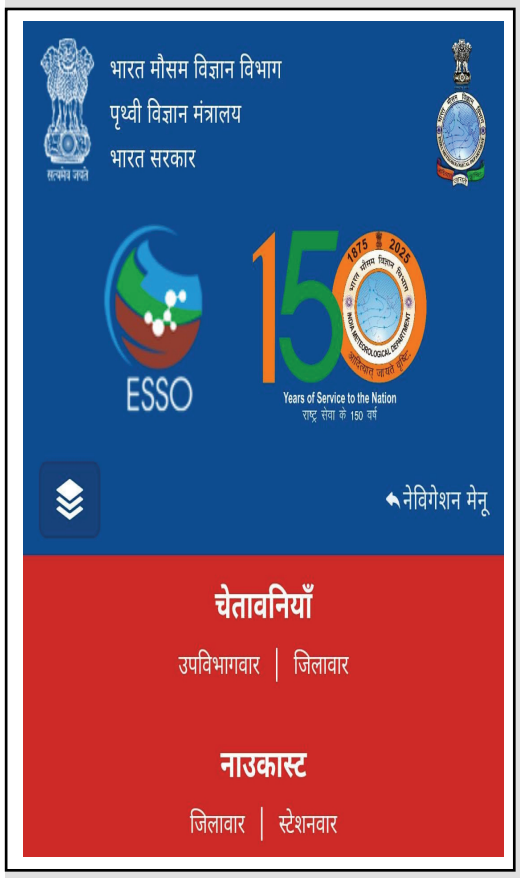

- **मौसम विभाग ने गोरखपुर से गाजीपुर तक वॉर्म नाइट अलर्ट जारी किया**
- **यूपी में अब पूरी तरह से मौसम बदल गया है।**
- **आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने से भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रह सकता है।**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम एक बार फिर बदल गया है। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान की बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होने की संभावना जताई गई है। इस तरह आगामी दिनों में गर्मी बढ़ सकती है।

फिलहाल प्रदेश में दिन के समय भीषण गर्मी पड़ रही है। साथ ही रात के समय में भी गर्मी होने लगी है। यह सिलसिला आने वाले दिनों में भी जारी रह सकता है। वहीं सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा बांदा में 43.4 डिग्री अधिकतम और बलिया में 29 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है।

13 मई को पश्चिमी और पूर्वी यूपी में मौसम साफ रह सकता है। इस दौरान दोनों हिस्सों में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। पूर्वी यूपी में कहीं-कहीं उष्ण रात्रि होने की संभावना है। मौसम विभाग की माने तो मंगलवार को गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर और बस्ती उष्ण रात्रि होने की संभावना है। साथ ही संतकबीरनगर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, अम्बेडकरनगर और उसके आस-पास के इलाकों में उष्ण रात्रि होने की संभावना है।

क्या कहते हैं मौसम विज्ञानी?

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बीते पखवाड़े में मौसमी गतिविधियों में कमी आई है। पिछले 48 घंटों में तापमान बढ़ा है और अगले 4-5 दिनों में इसमें और 2-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से में आज और कल उष्ण रात्रि (वार्म नाइट) की स्थिति रहेगी।

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 14 मई से 15 मई तक पूर्वांचल और तराई के इलाकों में कहीं-कहीं लू या उष्ण लहर चलने की चेतावनी है। अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 16 मई से यह लू प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में फैल सकती है, जबकि तराई में संभावित बारिश के चलते लू की स्थिति कमजोर पड़ सकती है।

आंधी पानी का है अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, 14 मई को पश्चिमी और पूर्वी यूपी में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान दोनों हिस्सों में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है।

पूर्वी यूपी में कहीं -कहीं पर उष्ण लहर उठने की संभावना है। 15 मई को पश्चिमी और पूर्वी यूपी में मौसम साफ रह सकता है। इस दौरान दोनों हिस्सों में कहीं-कहीं पर उष्ण लहर की संभावना है। रात में आंधी चलने पर गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद लीजिए मैच का मजा

- **इंडियन प्रीमियर लीग 17 मई से फिर से शुरू होने जा रहा**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को हुए संघर्ष विराम के बाद इंडियन प्रीमियर लीग अब 17 मई से फिर से शुरू होने जा रहा है लेकिन विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर जारी संशय के बीच ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों के निजी फ़ैसले पूर्ण का समर्थन भी किया है ।साथ ही एक बयान में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा है, भारत वापस लौटना है या नहीं, इसे लेकर खिलाड़ियों के निजी फ़ैसलों का क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पूर्ण रूप से समर्थन करेगा ।और एक बयान के अनुसार, टीम प्रबंधन उन खिलाड़ियों के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल की तैयारी को लेकर काम करेगा जो शेष आईपीएल मैचों में खेलने का मुख्य विकल्प चुनते हैं। आगे बयान में ये भी कहा गया है, खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए हम ऑस्ट्रेलियाई सरकार लगातार संपर्क भी बनाए हुए हैं ।इसके अलावा आठ मई को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के बाद 9 मई को आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित भी कर दिया गया था।

और अब फिर से जारी आईपीएल शेड्यूल के मुताबिक़, इस सीज़न का फ़ाइनल तीन जून को ही होगा। और इसके एक सप्ताह बाद ही 11 जून को दक्षिण अफ़्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल लॉर्ड्स में शुरू होने वाला है।